(a) प्रश्न सं० -7 में 0 (शून्य) अंक । किंतु 2 अंक की posting (b) प्र० 10 एवं 14 में 3-3 अंक प्राप्त, किंतु उसे अनुत्तरित दिखाया गया। (c) प्र० 13 में 6 अंक प्राप्त किंतु 8 की posting

अतः (a) -2
(b) +6
(c) -2
कुल = +2 का कुल योग 60 में किया जाए
फलतः योग = 60+2 = (62) बासठ
10.8.15

JAC

No. J/A 0394098

इन्टरमीडिएट परीक्षा, 2015

आई० ए० (I.A.)

28 पृष्ठों की उत्तरपुस्तिका

वीक्षक का हस्ताक्षर 04/03/15

केन्द्राधीक्षक
उच्च विद्यालय दुगदा बोकारो
केन्द्राधीक्षक का हस्ताक्षर एवं मुहर

[हाशिया (Margin) छोड़कर पन्नों के दोनों पृष्ठों पर लिखें]

रोल कोड (Roll Code)	क्रमांक (Roll No.)	पंजीयन संख्या (Registration No.) No.	वर्ष (Year)	विषय (Subject)	पत्र (Paper)	लिपि (Script)	तिथि (Date)
25042	30001	25042-RA-0001	-2013	Hindi		देवनागरी	4-3-15

लब्धांक (MARKS OBTAINED)

Question Number	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	TOTAL
Marks Obtained	12	5	8	4	4	3	1	2	5	X	44½ = 45
Question Number	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	TOTAL
Marks Obtained	3	4	8	⊗							15
Question Number	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	TOTAL
Marks Obtained											
Question Number	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	TOTAL
Marks Obtained											
Grand Total	(In Words)	[illegible]						(In Figure)	60		

परीक्षार्थी हेतु निर्देश

1. परीक्षार्थी ध्यान दें कि केवल एक ही उत्तर-पुस्तिका में पूरे प्रश्नों का उत्तर सीमित करना है। अतिरिक्त उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जायेगी।
2. उत्तर लिखना शुरु करने के पहले प्रत्येक परीक्षार्थी के लिए अपनी उत्तर-पुस्तिका के आवरण पृष्ठ पर अपना रोल कोड, रोल नं., पंजीयन संख्या एवं वर्ष, विषय, पत्र, लिपि तथा तिथि लिखना अनिवार्य है। परन्तु परीक्षार्थी को अपना अथवा अपने कॉलेज का नाम कदापि नहीं लिखना है। परीक्षार्थियों को चेतावनी दी जाती है कि जिस उत्तर-पुस्तिका पर रोल कोड, क्रमांक और सूचीकरण संख्या स्पष्ट रुप से अंकित न होगी, उसे जाँची नहीं जायेगी।
3. यदि कोई परीक्षार्थी परीक्षा में दूसरे को सहायता करता या किसी प्रकार से अवैध सहायता लेने की चेष्टा करता हुआ अथवा परीक्षा में अनुचित लाभ उठाने के लिए किसी दूसरे अवैध उपाय का अवलम्बन करता हुआ पाया जायेगा तो उसे परीक्षा से निष्कासित कर दिया जायेगा। परीक्षा में परीक्षार्थियों को परस्पर किसी प्रकार से विचार विनिमय का अधिकार न होगा। परिषद द्वारा दिये गए प्रवेश पत्र, उत्तर-पुस्तिका, प्रश्न-पत्र तथा नियमानुकूल निर्दिष्ट उपकरणों के अतिरिक्त परीक्षार्थियों को अपने साथ परीक्षा कक्ष में मोबाईल, कैलकुलेटर, छाता, पुस्तक, किसी प्रकार का पत्र, पॉकेट बुक, नोट आदि या किसी भी प्रकार का कागज रखना वर्जित है, भले ही उसका सम्बन्ध उस समय की परीक्षा के विषय से हो या न हो। इसका उल्लंघन करने वाले परीक्षार्थियों को परीक्षा से निष्कासित कर दिया जायेगा।
4. लिखने का सम्पूर्ण काम उत्तर-पुस्तिका पर ही किया जाय और उसका कोई भी पृष्ठ फाड़ा न जाए। परीक्षा खत्म होने के बाद उत्तर-पुस्तिका वापस लौटा देना आवश्यक है। इस उत्तर-पुस्तिका के बदले दूसरी उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जा सकती। जो लिखावट काटी हुई रहेगी उसकी जाँच नहीं होगी। उत्तर-पुस्तिका में यदि कोई फटा पृष्ठ मिले तो उसे निकाल नहीं देना चाहिए बल्कि वीक्षक को दिखाकर उसे मोड़ देना चाहिए।
5. प्रश्न-पत्र पर कोई उत्तर या कोई भी दूसरी बात लिखना वर्जित है।
6. प्रश्न-पत्र वितरण के बाद एक घंटे तक कोई भी परीक्षार्थी अपनी उत्तर-पुस्तिका वापस नहीं कर सकते हैं।

परीक्षक का पूर्ण हस्ताक्षर एवं मुहर (Full Signature of Examiner with Seal)

प्रधान परीक्षक का पूर्ण हस्ताक्षर एवं मुहर (Full Signature of Head Examiner with Seal)

MURLIDHAR [illegible] LECTURER S.S +2 H/S KHUNTI

नोट - प्रत्येक पृष्ठों में अंकित दोनों हाशिया (Margin) के बीच में प्रश्नों का उत्तर लिखें।

Do not write your name or any mark part of identification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black / Blue Ink only.

" जय माँ सरस्वती "

1) क. लेखक ने मनुष्य जाति का सरताज कहाँ है :-

यूरोप के देशों की जो इतनी उन्नति हो रही है तथा अमेरिका, जापान आदि जो इतनी तेजी से प्रगति के राह पर चल रही है, जो इस समय मनुष्य-जाति के सरताज बन रहे है, इसका कारण यह है कि उन देशों मे लोग अपने भरोसे पर रहना या कोई काम करना अच्छी तरह जानते है।

अर्थात लेखक का यह अभिप्राय है कि जो देश अपने ऊपर पूर्ण रूप से भरोसा करते है वे सदैव उन्नति की राह पर चलते है जिसे लेखक ने "मनुष्य जाति का सरताज कहाँ है।"

ख. हिन्दुस्तान के सत्यानाश का कारण :-

हिन्दुस्तान का सत्यानाश का सबसे बड़ा कारण यह है कि लोग अपने ऊपर भरोसा करना ही भूल गये है। अर्थात उनका अपने ऊपर से भरोसा, विश्वास तथा आत्मविश्वास ही उठ गया है। वे सदैव अपनी बातों पर विश्वास न करके कही, सुनी बातों पर ज्यादा विश्वास करते

Do not write your name or any mark part of identification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black / Blue Ink only.

है। जिसके कारण उनका तेजी से सत्यानाश हो रहा है।

इस प्रकार हिन्दुस्तान तेजी से Develop नही करके सत्यानाश की ओर निरंतर अग्रसर हो रहे है।

ग. भारतीयों मे प्रभुत्व शक्ति को अवकाश न मिलने का तात्पर्य :—

भारतीयों मे प्रभुत्व शक्ति को अवकाश न मिलने तात्पर्य यह है जब हमारे गुण मे ही भरोसे पर रहना नही है तब क्यों भारतीयों मे प्रभुत्व शक्तियों को अवकाश मिले।

इसकी अवधारणा यह है कि भारत ने कभी-भी अपने शक्ति का प्रयोग उचित समय मे नही किया है जिससे भारतीयों को प्रभुत्व शक्ति को अवकाश मिलने का अवसर तो मिलता है परंतु भारतीय लोग उसका उपयोग उचित समय मे करते ही नही है जिससे उन्हे शक्ति का अवकाश नही मिलता है।

Do not write your name or any mark part of identification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black / Blue Ink only.

(घ) भारतीय निम्न काम को खूबसूरती से कर पाते हैं :—

भारतीय मे सदैव परस्पर सहयोग की भावना पायी जाती है। यहाँ पर लोग एक-दूसरे का सेवा कर हेतु अपने जीवन को व्यतीत करते है।

यहाँ पर सदैव लोग एक-दूसरे पर पूर्ण भाव से विश्वास करते है। जो भारतीय सभ्यता की खूबसूरती है। जो यहाँ के लोग बखूबी खूबसूरती से कर पाते है।

(ङ) इस गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक :—

(i) शीर्षक :- "स्वयं पर भरोसा न करने का कारण" 1

(च) भाववाचक संज्ञा :—

(i) गुण।

(ii) खूबसूरत। 1/2

Do not write your name or any mark part of identification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black / Blue Ink only.

ड. कवि ने कहा है " हाय ! जहाँ बेकस की आहे भी अपराध कहाती हो "

कवि ने कविता के माध्यम से यह कहने का प्रयास किया है कि जहाँ मानव जाति का शोषण किया जाता है और उसे सुनने वाला कोई दूर तक नहीं होता है। जिसे अपराध कहा गया है।

ख. खून की नदी शांति और सभ्यता के नाम पर बहायी जाती है। अर्थात लोग अपनी शांति के लिए अपनी ही खून की सरिता बहाते हैं।

ग. हृदय का हाट लूटने का तात्पर्य यह है कि जहाँ प्रायः हत्यारो का भय बना रहता है तथा "जान जाने" की खतरा बना रहता है।

घ. पुण्य से पाप का जन्म होता है क्योंकि लोग आज पुण्य के नाम लोगों के साथ विश्वास घात करके उनके

Do not write your name or any mark part of identification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black / Blue Ink only.

उगते हैं जिससे पाप का जन्म पुण्य के माध्यम से होता है।

(ग) कवि ने इस कविता के माध्यम से यह कहने का प्रयास किया है कि जहाँ अपराध का जन्म होता है वही पर ऐसी दैनिय स्थिति का जन्म होता है जहाँ शांति और सभ्यता के लिए रक्त की सरिता बहाती जाती है, जहाँ हृदय की हाट लूट ली तथा पुण्य से पाप का जन्म होता है। ऐसे समाज का चित्रण लेखकवि के द्वारा खींचा गया है।

3. क.

"प्रधानमंत्री का स्वच्छ भारत मिशन"

☆ भूमिका (Role):— "स्वच्छ भारत मिशन" भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री के द्वारा चलाया गया है। भारत के प्रधानमंत्रि "नरेंद्र मोदी" ने इस अभियान को 2 ऑक्टुबर 2014. 2 October 2014. को गाँधी जी के जन्म के दौरान शुरुआत की गई। जो भारत को स्वच्छ रूप प्रदान करके भारत

Do not write your name or any mark part of identification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black / Blue Ink only.

को एक नई पहचान देगा।

☆ महत्व (Importance):— प्रधानमंत्री "नरेंद्र मोदी" जी का यह मिशन स्वच्छ एवं सफाई से जुड़ा हुआ है जो भारत को उसके अनुकूल ढालने के लिए किया गया एक प्रयास है। इस मिशन का महत्व आज के आधुनिक परिवेश के अंतर्गत काफी बढ़ गया है। लोग बड़े पैमाने पर मिलकर इसके सफल होने के लिए योगदान दे रहे हैं।

☆ उद्देश्य (Aim):— प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वच्छ भारत मिशन का यह उद्देश्य (Aim) यह है कि देश को प्रगति पर लाना तथा भारत को स्वच्छ और साफ-सुथरा रखना है। नरेंद्र मोदी ने जगह-जगह संचार के माध्यम से यह प्रचार कर दिया है कि स्वच्छ भारत का निर्माण हम सभी मिलकर साथ करें तथा एक स्वच्छ तथा स्वस्थ समाज की स्थापना करें।

Do not write your name or any mark part of identification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black / Blue Ink only.

प्रधानमंत्री के इस मंत्र से लोगों ने प्रभावित होकर जगह जगह पर साफ-सफाई आरंभ कर दी है। हर क्षेत्रों में लोग अपने आसपास के क्षेत्रों तथा गली-मुहल्लों को साफ करने की एक योजना बना ली है।

कई जगहों पर प्रत्येक स्कूलों, कॉलेजों को Principal ने भी इसे अपनाते हुए स्वयं साफ-सफाई कर रहे हैं अपने विद्यालयों तथा कॉलेजों की जिससे लोग बड़ी संख्या पर प्रभावित होकर इस अभियान को अपनाया है।

भारत के वर्तमान नरेंद्र मोदी जो हमारे प्रधानमंत्री हैं वे एक करिश्माई नेता के रूप में उभरकर अपना जादुई रंग सभी लोगों पर चढ़ा रहे हैं यह अत्यंत गर्व की बात है क्योंकि स्वच्छ भारत मिशन राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी का एक अधूरा सपना माना जाता है जिसे पूरा करने का हम सभी लोगों का दायित्व है।

इस मिशन का उद्देश्य यह है कि लोग अपने क्रियाकलापों

Do not write your name or any mark part of identification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black / Blue Ink only.

मे थोड़ा सा परिवर्तन कर कुछ देश के हित के लिए करे।

इस मिशन के अंतर्गत कई जगहों पर इस मिशन के तहत कार्यक्रम किया है। उच्च पदाधिकारी तथा कई सर्वमान्य नेताओं ने भी मिलकर इसमे अपना सहयोग दिया है। हर क्षेत्र के उच्च पदअधिकारी तथा बड़े लोगों ने एकता का परिचय दिया है।

☆ निष्कर्ष (Conclusion) :— उपर्युक्त विवेचना एवं उपरोक्त बिंदुओं से यह स्पष्ट होता है कि भारत के Prime Minister नरेंद्र मोदी ने जन कल्याण तथा पर्यावरण का शुद्धिकरण एवं प्रदूषण मुक्त समाज की स्थापना के लिए बल दिया है जिसके तहत प्रधानमंत्री का स्वच्छ भारत मिशन को चलाया है।

अतः हम निष्कर्ष के रूप मे कह सकते है कि लोग यदि मिलकर एकता परिचय देते है तो हमारा देश भी विकासशील से विकसित देश के रूप मे जरूर उभरेगा।

Do not write your name or any mark part of identification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black / Blue Ink only.

4. सेवा मे,

श्रीमान प्रधानाध्यापक महोदय
आर० पी० एस० इंटरमीडिएट
कॉलेज, चन्द्रपुरा (बोकारो)

विषय :- अर्थशास्त्र विषय की पढ़ाई हेतु समाधान पत्र।

महाशय,

~~सेवा में श्रीमान प्राधानाचार्य,~~ सविनय निवेदन यह है कि मैं कक्षा बारहवी "कला" की छात्रा हूँ आपके विद्यालय मे। हमारे कक्षा में अर्थशास्त्र (Economics) विषय की पढ़ाई न हो पाने के कारण हमे अनेक कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। हमारी अर्थशास्त्र विषय में पढ़ाई रुकने के कारण हम सभी छात्र अपने वार्षिक परिक्षा के तैयारी हेतु पढ़ाई न कर पा रहे हैं।

जो हमारे लिए अत्यंत चिंता का विषय बन गया है क्योंकि हमारी परिक्षा समीप है यदि अर्थशास्त्र

Do not write your name or any mark part of identification in any part of your Answer Book. For Writing an answer, (Including Heading) Use Black / Blue Ink only.

विषय में हमारी पाठ्यपुस्तक के पाठ
के बारे में हमे जानकारी प्राप्त
नहीं हो पा रही है। जिससे
परिक्षा में हमे अनेक समस्याओं
का सामना करना पड़ रहा है।
आपसे अनुरोध है कि हमारी
अर्थशास्त्र विषय की पढ़ाई को
जल्द ही पुनः प्रारंभ करवा
दे ताकि हमे अर्थशास्त्र संबंधी
ज्ञान प्राप्त हो और हम
अपनी परिक्षा हेतु तैयारी कर
सके।

अतः श्रीमान् से
यह प्रार्थना है कि हमारे समस्याओं
का समाधान करे तथा हमारी
अर्थशास्त्र की पढ़ाई को पुनः
प्रारंभ करवा दे। मैं आपकी
सदा आभारी रहूंगी।

धन्यवाद

आपकी आज्ञाकारी छात्रा

नाम - बबली कुमारी

रोल नं० - 01
कक्षा - डी
दिनांक - 4-3-15

Do not write your name or any mark part of identification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black / Blue Ink only.

5. सेवा मे,

श्रीमान संपादक महोदय
"हिन्दुस्तान" राँची

विषय :- दुर्गा - पुजा के संबंध मे

महाशय,

मैं आपका ध्यान आकर्षित करते हुए यह कहना चाहती हूँ कि हमारे यहाँ दुर्गा पुजा को हर्षो उल्लास के साथ मनाया जाता है तथा दुर्गा पुजा को देखने के लिए दुर - दुर तक दर्शनार्थी एवं देश - विदेश से लोग दर्शन करने आ रहे हैं। हमारे शहर मे हिंदु धर्म का एक सर्वव्यापक त्योहार दुर्गापुजा है। जिसमे बड़ी संख्या पर लोग खुशियाँ मनाते हैं तथा इस त्योहार के अवसर पर हमारे यहाँ भव्य मुर्तियाँ बनायी जाती है। माता दुर्गा की प्रतिमा अत्यंत आकर्षित होती हैं।

(4)

दुर्गा पुजा के अवसर पर कई धार्मिक स्थलो के मंदिरो के प्रतिरुप (copy) बनाए जाते हैं तथा भव्य पंडालो का निर्माण किया जाता है। हमारे शहर मे दुर्गा पुजा के जितने भी जगह

Do not write your name or any mark part of identification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black / Blue Ink only.

मनायी जाती हैं उन जगहो पर पंडाल तथा मुर्तियों पर भी प्रतियोगिता होती हैं।

हमारे शहर मे दुर्गापुजा का दृश्य अत्यंत मनोहर है लोग नए-नए पकवान बनाते है तथा बच्चे से बुढ़े नए वस्त्र धारण कर माता दुर्गा की आस्था मे मग्न होकर अपनी अंतर आत्मा को शांत करते हैं। दुर्गा पुजा मे कई प्रमुख स्थलो को मंदिरो का प्रतिरुप बनाया जाता है। जैसे- दिल्ली का ताज होटल राम मंदिर स्वर्ण मंदिर जैसे धार्मिक स्थलो का प्रतिरुप तैयार किया जाता हैं।

अतः आपसे यह निवेदन है कि उपर्युक्त बातो पर अपना ध्यान आकर्षित करते हुए अपने समाचार पत्र पर इसका प्रचार-प्रसार करें।

आपकी आज्ञाकारी
बबली

Do not write your name or any mark part of identification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black / Blue Ink only.

6. फीचर :— "स्मार्ट सिटी की परिकल्पना"

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा स्मार्ट सिटी की परिकल्पना की गया रही है। जिसमे सभी वस्तुओ avilable होंगी तथा हर प्रकार की वस्तुओ का सुविधा तथा हर तरह की लाभ प्रदान होंगी।

स्मार्ट सिटी के अंतर्गत नरेंद्र मोदी ने एक विकासित देश की कल्पना की है। जिसमे हमारा देश एक स्मार्ट सिटी बनकर तैयार होगा।

③

स्मार्ट सिटी की परिकल्पना के तहत औद्योगिकी एवं उद्योगों के क्षेत्र बढ़ावा दिया गया है जिससे लोगों के विचार मे परिवर्तन आ रहा है। लोग रुढ़िवादी विचारो को छोड़कर आधुनिक विचारधाराओ का अनुशरण कर रहे हैं।

नरेंद्र मोदी हमारे वर्तमान प्रधानमंत्री ने कई योजनाएं बनायी हैं जिससे हमारा भारत का विकाश हो सके तथा एक विकासित देश का रुप ले।

"India is a Large Country."

Do not write your name or any mark part of identification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (including Heading) Use Black / Blue Ink only.

भारत एक विशाल देश है जहाँ आर्थिक स्थिति इतनी अच्छी नहीं है जिसके कारण लोग बेरोजगार तथा लाचार एवं बेसहारा बने हुए हैं।

स्मार्ट सिटी (Smart City) के अंतर्गत भारत के 10 में से 9 लोगों को रोजगार दिलाकर तथा बेसहारो को सहारा दिलाकर पूर्ण रूप से समृद्ध बनाया जाए। जिससे एक स्मार्ट सिटी की परिकल्पना को पूर्ण रूप से अपनाया जाए। जिससे देश की आर्थिक प्रगति के साथ-साथ देश Developed के राह पर चले।

स्मार्ट सिटी Smart City मे आधुनिकीकरण, पश्चिमीकरण तथा उदारीकरण एवं वैश्वीकरण को बढ़ावा दिया गया है। जो आधुनिकीकरण के सभी साधनों का उपयोग करता है जैसे - संचार, सूचना प्रौद्योगिकी (Information Technology) तथा Internet एवं यातायात इत्यादि का उपयोग कर Smart बनाता है। जिससे Smart City कहते है।

Do not write your name or any mark part of identification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black / Blue Ink only.

8. क. "यह दीप अकेला" के कवि ने दीप को स्नेह भरा, गर्व भरा एवं मदमाता कहा है क्योंकि दीप स्वयं प्रज्जवलित होती है उसे किसी की सहारे की जरूरत नहीं होती है वह स्वयं एक अँधेरे घर को रोशन कर सकती है वह स्नेह भरा होता है क्योंकि उसकी रोशनी धीरे-धीरे प्रज्जवल होकर स्नेह से घर पर प्रकाश फैलाती है। तथा वह गर्व से भरा होता है क्योंकि वह अकेले होने के बावजूद भी अपना प्रकाश कायम रखता है।

(ख) पठित पद के आधार पर देवी सरस्वती की उदारता का गुणगान नहीं किया जा सकता है क्योंकि माता सरस्वती स्वयं विद्या देवी है जिन्हें किन्ही की बखान की जरूरत नहीं होती है क्योंकि उनका गुणगान सभी से अलग है। कविता में कवि ने सरस्वती माता की बखान करके सरस्वती माता की उदारता को प्रस्तुत किया है जिन्होंने मां सरस्वती का गुणगान करके उनकी चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन किया है। इसलिए उनके उदारता का गुणगान नहीं किया जा सकता है।

Do not write your name or any mark part of identification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black / Blue Ink only.

9. ग.) श्रमित ——— उठाई।

प्रस्तुत काव्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक अंतरा में संकलित है जिसके लेखक जयशंकर प्रसाद हैं।

व्याख्या :—

कवि ने कविता के माध्यम से यह कहने का प्रस्तुत प्रयास किया है कि देवसेना विरह की अग्नि में जलकर अपने सपने में अपने गलतियों पर पछताती हुई कहती है कि किसने विहाग के तान सुनाकर उसे जगाया जीवन के अंतिम क्षणों में उसे अपनी गलतियों पर पछतावा होता है जिस समय वह अपने कोमल हृदय को सो जाने को कहती है।

देवसेना की विरह वेदना का वर्णन है।

देवसेना के दुःख को प्रकाशित कर रहा है।

Do not write your name or any mark part of identification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black / Blue Ink only.

घ) इस काव्यांश का तात्पर्य यह है कि प्रिय ने अपने मुख पर श्रृंगार करके अपने प्रिय को लुभाने का प्रयास किया है जिसने उसने अपने मुख सजाकर अपने होंठो मे बिजली कैसी स्पंद मे प्रिय को कटु वचन को कहकर अपने प्रिय के दिल को दुखाया है जिसमे उसका श्रृंगार का गुणगान किया गया है। प्रिय की बाते कही गयी है।

(i) प्रिय का गुणगान किया गया है।

(ii) सुंदरता का बखान किया हुआ है।

(iii) प्रिय मिलन की बाते कही गयी है।

10. प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारे पाठ्यपुस्तक अंतरा मे संकलित है जो हजारी प्रसाद द्विवेदी जी द्वारा रचित है।

व्याख्या :—

Do not write your name or any mark part of identification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black / Blue Ink only.

लोग बेहया होकर अपनी हाथ फैलाते है दूसरों के सामने विकट से विकट की परिस्थितियों में अपना राह निकाल ही लेती है। दूसरे के सामने अपना हाथों को निपोरते है तथा अगल - बगल झांकते है।

किंतु कुटज का वृक्ष पाषाण को चिर कर पाताल की छाती फाड़कर अपना भोग्य खींच लेते है। वे हर ऋतु मे खड़ा रहता है तथा फलता फुलता है। ग्रीष्म ऋतु मे लू की थपेड़ खा खाकर तथा जल से प्रभाव होकर भी अपना अस्तीत्व बनाए रखता है। हम सभी को कुटज की सीख लेनी चाहिए जिससे हमे आत्मनिर्भर बनना चाहिए।

(i) कुटज एक महान वृक्ष है।

(ii) कुटज की तुलना हमलोगो से की गई है।

(iii) कुटज पाषाण को चिरकर खड़ा रहता है।

Do not write your name or any mark part of identification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black / Blue Ink only.

12. फणीश्वर नाथ रेणु :— (1921 - 1977)

फणीश्वर नाथ रेणु का जन्म 1921 में बिहार के पूर्णिया जिले के औराही हिंगना नामक गाँव में हुआ था। उन्होंने 1942 ई० के भारत छोड़ो स्वाधीनता आंदोलन में भाग लिया। इन्होंने कहानी, उपन्यास तथा निबंध आदि विविध साहित्यिक विधाओं में लेखन कार्य किया।

उनके प्रसिद्ध कहानी संग्रह :—

ठुमरी, अग्निखोर, आदिम रात्रि की महक, तीसरी कसम, तीसरी कसम उर्फ मारे गए गुलफाम कहानी पर फिल्म बन चुकी है।

(4)

फणीश्वर नाथ रेणु की कला रचना गहरी मानवीय संवेदना और बदलते समाज यथार्थ की पकड़ अपनी अलग पहचान रखते हैं। रेणु ने मैला आँचल, परती परिकथा जैसे अनेक महत्वपूर्ण उपन्यासों के साथ हिन्दी कहानी परम्परा को जन्म दिया।

Do not write your name or any mark part of identification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black / Blue Ink only.

11. क) बालक द्वारा ईनाम में लड्डू मांगने पर लेखक ने चैन की सांस ली क्योंकि वह उसका उत्तर रटा नहीं था। लेखक को खुशी हुई कुछ तो अपने मन से की। बालक ने अपने से यह उत्तर दिया था इसलिए लेखक ने प्रसन्न होकर सुख की सांस ले ली।

(ख) कुटज हमें यह सीख देता है कि पाषाण चिर कर पाताल फाड़कर जीने की सीख देते हैं। निडर होकर गर्व से जीते हैं कुटज एक शक्तिशाली धैर्यवान् तथा किसी के सामने अपना शीश झुकाने वाला नहीं था। कुटज एक ऐसा वृक्ष है जो सभी ऋतुओं पर अपने आप को सुरक्षित रखता है।

3

Do not write your name or any mark part of identification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black / Blue Ink only.

13. (क)(i) अपराध का बदला :—

सूरदास ने सुभागी को बचाकर अपराध किया था उसके मन ईर्ष्या जाग उठी थी। जगधर भैरो को अपने प्रति ईर्ष्या की भावना जागी।

(ii) रुपये का लोभ के कारण ऐसा हुआ है। जगधर चाहता था इसे भी भैरो रुपये दे दे।

(ख) (i) त्याग का उपयोग करके

(ii) कच्चे आम प्रयोग करके।
(iii) आम पन्ने का प्रयोग करके तथा नहलाकर उपचार किया जाता है।

(ग) भूप सिंह एक अच्छा पर्वतारोहक थे इसलिए वह रूप सिंह को हरा दिया। भूप सिंह ने साधनों का प्रयोग नहीं किया करता था किंतु रूप सिंह आधुनिक साधनों का प्रयोग करके पर्वत पर चढ़ा।

14. (i) भूप दादा एक शक्तिशाली व्यक्ति थे जिन्होंने एक पर्वतारोहण के रूप में जीवन व्यतीत किया था।

(ii) भूप दादा ने पर्वत पर अपना घर बनाया।

Do not write your name or any mark part of identification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black / Blue Ink only.

(iii) भूप दादा शौला से शादी की तथा खेती करके जीवन व्यतीत किया।

(iv) भूप दादा एक शक्तिशाली मानव था।

7.) साधु हमेशा सज्जन की सीख देता है तथा सच बोलने के लिए प्रेरित करता है हमें प्रायः सच्चाई की राह पर चलना चाहिए। तथा हमेशा सज्जन बनना चाहिए। साधु महात्मा एक सज्जन पुरुष होते हैं। और सभी को प्रेम की अनुभूति होती है। करवाते हैं।

साधु महात्मा का स्वभाव प्रेम से सज्जनों के संगत में रहने से रघुराय की रहने से रघुराय की कहते हैं की सज्जन बनना चाहिए।

Do not write your name or any mark part of identification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black / Blue Ink only.

MURLIDHAR JHA
LECTURER
S.S + 2 HS KHUNTI

Do not write your name or any mark part of identification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black / Blue Ink only.

Do not write your name or any mark part of identification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black / Blue Ink only.

Do not write your name or any mark part of identification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black / Blue Ink only.

60

Do not write your name or any mark part of identification in any part of your Answer Book. For Writing an answer. (Including Heading) Use Black / Blue Ink only.